Double Heading of Kovai Express

2703. SHRI C. CHINNASWAMY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there is any proposal for double heading of Kovai Express to enable it to have additional five coaches to provide more accommodation for the passengers from Coimbatore, Erode, Salem to Madras as this is the only train running from Coimbatore to Madras during day time and back; and

(b) if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) No.

(b) Does not arise.

Wagon Factory in Maharashtra State.

2704. SHRIMATI USHA CHAUDHARI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that Government are considering to establish wagon factory in the Maharashtra State;

(b) if so, whether the Site Selection Committee has submitted its report to Government; and

(c) whether Government have a proposal to establish this factory at Budwara in Amarwati District ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTRY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN) (a) No.

(b) and (c) : Do not arise.

भूटान को उसकी पांचवी पंचवर्षीय योजना के लिए सहायता

2705. **श्री बागुन सुम्बरूई।** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत ने भूटान को उसकी पांचवीं पंचवर्षीय योजना के लिए सहायता प्रदान करने के सम्बन्ध में अपनी स्वीकृति दे दी है ;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) भूटान के साथ संयुक्त रूप से पूरी की जाने वाली परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

विदेश मन्त्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) (क) भारत ने भूटान की पहली बार पंचवर्षीय योजनाओं पर खर्च की गयी राशि का अधिकांश भाग तकनीकी सहायता और सहायता-अनुदान के रूप में दिया है। भूटान की पांचवीं योजना (1981-87) में भी भारत यही भूमिका अदा करेगा। सिद्धान्त रूप में इस सहमति की सूचना भूटान को दे दी गयी है।

(ख) भूटान के साथ तकनीकी विचार-विमर्श पूरा होने के बाद ही भूटान की पांचवीं योजना के लिए भारतीय सहायता की मात्रा के बारे में निर्णय लिया जाएगा। भूटान सरकार ने पांचवीं योजना के लिए 274.10 करोड़ रुपये के कुल विकास-परिव्यय का अनुमान लगाया है तथा भारत से इसके लिए 130 करोड़ रु० की सहायता का अनुरोध किया है।